Bhavan's Tripura Vidyamandir

Pre-board Examination: (2024-2025)

Class:- 12 **Subject:- Hindi**

Time:- 3 Hours Total :- 80 Marks

Name of the student: Roll: Stream:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खंड - 'क' (अपठित बोध), अंक - 18

1. अपठित गद्यांश को पढकर प्रश्नों का उत्तर दें :- 10

प्रकृति के आंचल और प्रांगण में ऊर्जा का महान भंडार संचित है। हमें स्वस्थ शरीर के लिए जिस ऊर्जा की जरूरत है, वह प्रकृति से ही प्राप्त होती है। जब हमारा शरीर प्राकृतिक अवस्था में रहता है, तब प्रकृति से उसकी लय बनी रहती है। इसलिए सूर्य, वृक्ष, पृथ्वी, आकाश, जल, वायु आदि प्रकृति की ऊर्जा के स्त्रोत हैं। जिनके साहचर्य से हम स्वस्थ रहते हैं। यही कारण है कि हमारे ऋषि-मुनि प्रकृति के साहचर्य में ही ध्यान-चिंतन करके जीवन-सत्य को जानने के लिए साधना करते थे। आज भी पहाड़ों-जंगलों आदि नैसर्गिक निवास में रहने वाले जातियों में आधुनिक जीवन-शैली से उत्पन्न रोग नहीं मिलते हैं। प्रकृति हमारी माँ है। उसे पता है कि हमारे शरीर के लिए कब किस चीज की आवश्यकता है। इसलिए प्रकृति ने अपने विभिन्न उपादानों प्राणियों के पोषण के उपयुक्त पोषक तत्व डाल दिया है। जैसे माँ शिशु को न केवल अपना दूध पिलाती है, बल्कि प्यार-दुलार करके ममतामयी स्पर्श से उसके सारे तनाव दूर करती है, उसी प्रकार माँ भी हमारा शारीरिक पोषण ही नहीं, हमारे मन को भी स्वस्थ और तनावमुक्त रखती है, किन्तु हम मनुष्य अपने अहंकार में या अपनी मूर्खता में प्रकृति को मातृभाव से देखते ही नहीं हैं, हमारा सारा प्रयास जीवन को सुख के नाम पर कृत्रिम बनाने का रहता है या प्रकृति के विनाश का रहता है। हमारा उद्देश्य प्रकृति के साहचर्य में रहकर अधिक से अधिक प्राण ऊर्जा के संग्रह का प्रयास होना चाहिए। यह ऊर्जा कभी-कभी प्रत्यक्ष भी ली जाती है, जैसे प्रकृति ऊर्जा से संपन्न संतों के चरण छूकर, पेड़-पौधों को आलिंगन में बाँधकर, पशुओं के संपर्क में रहकर या गुरु आँखों से हरियाली को देखकर आदि। प्राकृतिक दृश्यों को निहारकर भी हम पोषण पा सकते हैं। लोग घरों और कार्यालयों में इसलिए हरी-भरी लताएँ लगाते हैं या स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रकृति के खुले आँगन में जाते हैं। इसी विराट प्रकृति से हम ऊर्जा प्राप्त करते हैं। पृथ्वी तो प्रकृति का एक अंग है। इसी पृथ्वी पर पानी, पेड़, पौधे, फल-सब्जी,अन्न, हरियाली आदि हमें प्राप्त होते हैं। जो व्यक्ति प्रकृति के संपर्क में रहकर जितनी अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है, वह उतना ही अधिक स्वस्थ और दीर्घायु रहता है। नदी में स्नान करना, वृक्षों के नीचे बैठना, हरी घास पर खुले पाँव चलना, ये सब प्रकृति की ऊर्जा ग्रहण करने के साधन हैं।

क) ऊर्जा का भंडार कहाँ संचित है ? सही विकल्प लिखिए । 1

i) प्रकृति के आंचल ii) प्रकृति के प्रांगण

iii) प्रकृति के आंचल और प्रांगण दोनों iv) इनमें कोई नहीं

ख) प्रकृति के साथ हमारा किस प्रकार का संबंध है ? सही विकल्प लिखिए। 1

i) पत्नी ii) बहन iii) पुत्री iv) माँ

ग) प्रकृति के संपर्क में रहने वाले व्यक्ति की आयु कैसी होती है ? सही विकल्प लिखिए । 1

i) स्वस्थ और दीर्घायु ii) अस्वस्थ और अल्पायु

iii) अस्वस्थ और अल्पायु iv) अस्वस्थ और दीर्घायु

घ) पृथ्वी से हमें क्या-क्या प्राप्त होते हैं ? संक्षेप में उत्तर दें । 1

ङ) संक्षेप में उत्तर दीजिए :-- 3X2 = 6

i) हमारे ऋषि-मुनि ध्यान-चिंतन के लिए जंगलों और पहाड़ों पर क्यों जाते थे ?

ii) अहंकार में मनुष्य क्या करता है और क्यों ?

iii) प्राकृतिक ऊर्जा का प्रत्यक्ष स्त्रोत क्या है? वर्णन कीजिए ।

2. अपठित काव्यांश को पढकर प्रश्नों का उत्तर दें :- 8

बंधन छोड़ आज उड़ जाओ ।
विहग ! मुक्ति का गाना गाओ ।
अपनी ही इच्छा से हम तुम ,
मुक्त और बंदी बना जाते ,
अपने ही सुख-दुख में भूले
नित्य स्वप्न के महल बनाते ।।
अश्रु बिखेर चुके तुम अपने ,
अब पल भर मुसकाओ ।
सागर की गर्जन देखी ,
देखा निर्झर का बहना ,
मध्य निशा में देखा झिलमिल
तारों का कुछ कहना ।
तुम भी अपने मधुर से
जीवन गीत सुनाओ ।
आकुल कर देती मुझको
यह पथ की दुर्बलता ।
घेरे रहती है प्राणों को
मेरे मन की ममता ।।
दैन्य निराशा दूर हटा
तुम सुख का भाव जगाओ ।

क) कविता में कवि किसे संबोधित कर रहा है ? सही विकल्प लिखिए । 1

i) मनुष्य को ii) पक्षी को iii) पक्षी और मनुष्य को iv) अंधकार और निराशा को

ख) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक विकल्प से लिखिए । 1

i) सुख। ii) ममता iii) मुक्ति iv) निराशा

ग) हमें मुक्त और बंदी कौन बनाता है ? 1

i) पर्यावरण ii) परिस्थितियाँ iii) वातावरण iv) सागर की गर्जन

घ) सुख के भाव कब जागते हैं ? संक्षेप में उत्तर दीजिए । 1

ङ) संक्षेप में उत्तर दीजिए :-- 2X2 = 4

i) मनुष्य और पक्षी अपनी इच्छा से क्या बना जाते हैं ?

ii) कविता में किन-किन प्राकृतिक तत्वों का उल्लेख किया गया है?

खंड - 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम), अंक - 22

3. किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक रचनात्मक लेख लिखिए :- 6

क) मेरे प्रिय कवि ख) इंटरनेट ग) आतंकवाद की समस्या

4. किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :- 4X2 = 8

क) संचार किसे कहते हैं ? जनसंचार के दो कार्यों का नाम बताइए ।

ख) इंटरनेट क्या है ? भारत में इंटरनेट का पहला दौर कब शुरू हुआ ?

ग) इलैक्ट्रोनिक माध्यम से आप क्या समझते हैं ? कोई दो इलैक्ट्रोनिक माध्यम का नाम लिखिए ।

घ)कहानी लेखन क्या है ?

ङ) फ़ीचर लेखन क्या है ?

5. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए :- 2X4 = 8

क) समाचार किसे कहते हैं ? अच्छे समाचार के क्या गुण होते हैं ?

ख) पत्रकारीय लेखन तथा रचनात्मक लेखन में क्या अंतर है ?

ग) नाटक में ' संवाद ' के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

खंड - 'ग' (आरोह और विज्ञान - भाग - 2), अंक - 40

6. पठित काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प से लिखिए :- 5X1 = 5

मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ ,
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ !
मैं जला हृदय में अग्नि , दहा करता हूँ ,
सुख-दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ ;
जग भव-सागर तरने को नाव बनाए ,
मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ !

क) प्रस्तुत काव्यांश किस कविता का अंश है ?

i) पतंग ii) कविता के बहाने iii) आत्मपरिचय iv) कैमरे में बंद अपाहिज़

ख) कवि अपने हृदय में किस तरह के भावों को रखा है ?

i) सुखी भाव को ii) दुख भाव को
iii) सुख-दुख दोनों भावों को iv) इनमें कोई नहीं

ग) कवि को यह वास्तविक संसार क्यों नहीं अच्छा लगता है ?

i) क्योंकि यह कवि की दृष्टि में अधूरा है ii) क्योंकि इसमें कल्पना का कोई स्थान नहीं है
iii) उपरोक्त दोनों iv) क्योंकि कवि को संस्कार से प्रेम नहीं है

घ) ' भव सागर ' - में कौन - सा अलंकार है ?

i) श्लेष ii) यमक iii) अनुप्रास iv) रूपक

ङ) प्रस्तुत कविता के कवि कौन हैं ?

i) आलोक धन्वा ii) हरिवंशराय बच्चन
iii) अरुण कमल iv) कुँवर नारायण

7. पठित गद्‌यांश के आधार पर प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प से लिखिए :- 5X1 = 5

वह जानती है कि जब दूसरे मेरा हाथ बँटाने की कल्पना तक नहीं कर सकते, तब वह सहायता की इच्छा से क्रियात्मक रूप देती है, इसी से मेरी किसी पुस्तक के प्रकाशित होने पर उसके मुख पर प्रसन्नता की आभा वैसे ही उद्भासित हो उठती है, जैसे स्विच दबाने से बल्ब में छिपा आलोक। वह सूने में बार-बार छूकर, आँखों के निकट ले जाकर और सब ओर घुमा-फिराकर मानो अपनी सहायता का अंश खोजती है और उसकी दृष्टि में व्यक्त आत्मघोष कहता है कि उसे निराश नहीं होना पड़ता। यह स्वाभाविक भी है। किसी चित्र को पूरा करने में व्यस्त, मैं जब बार-बार कहने पर भोजन के लिए नहीं उठती, तब वह कभी दही का शर्बत, कभी तुलसी की चाय वहीं देकर भूख का कष्ट नहीं सहने देती।

क) भक्तिन क्या जानती है ?

i) लेखिका की सहायता के लिए अपनी इच्छा को क्रियात्मक रूप देना
ii) लेखिका की पुस्तक का सार
iii) पुस्तक प्रकाशन तिथि
iv) लेखिका का रहस्य

ख) भक्तिन लेखिका की प्रकाशित पुस्तक में क्या खोजती है ?

i) लेखिका का नाम ii) प्राक्कथन

iii) लेखिका के विचार iv) अपनी सहायता के अंश

ग) भक्तिन लेखिका के कार्य में किस प्रकार सहायता करती थी ?

i) लेखिका के व्यस्तता में दही का शर्बत बनाना

ii) तुलसी वाली चाय बनाना

iii) उपरोक्त दोनों

iv) पैर-हाथ दबाती थी

घ) नई पुस्तक छपकर आने पर भक्तिन क्या करती थी ?

i) बार-बार छूकर देखती

ii) आँखों के निकट ले जाकर देखतु

iii) सब ओर घुमा-फिराकर देखतु

iv) उपरोक्त सभी

ङ) प्रस्तुत गद्यांश के रचनाकार का क्या नाम हैं ?

i) धर्मवीर भारती ii) महादेवी वर्मा

iii) जैनेन्द्र कुमार iv) फणीश्वरनाथ रेणु

8. <u>किन्हीं (दो) प्रश्नों का उत्तर लगभग 40 शब्दों में दें :-</u> 2X2 = 4

क) ' परदे पर वक्त की कीमत है ' - कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है ?

ख) ' भाषा को सहुलियत से बरतने ' से क्या अभिप्राय है ?

ग) ' अशनि - पात से शापित उन्नत शत - शत वीर ' - पंक्ति में किसकी ओर संकेत है ?

9. <u>किन्हीं (दो) प्रश्नों का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दें :-</u> 2X3 = 6

क)' सुख - दुख ' दोनों में मग्न रहा करता हूँ -- से कवि का क्या अभिप्राय है ?

ख) कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

ग) सूर्योदय से पहले आकाश में क्या - क्या परिवर्तन होते हैं ?

10. <u>किन्हीं (दो) प्रश्नों का उत्तर लगभग 40 शब्दों में दें :-</u> 2X2 = 4

क) ' बाज़ारुपन ' से आप क्या समझते हैं ?

ख) लेखक जीजी के किन - किन कामों को करता था ? ' काले मेघा पानी दे ' पाठ के आधार पर लिखिए।

ग) लुटृटन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ?

11. <u>किन्हीं (दो) प्रश्नों का उत्तर लगभग 60 शब्दों में दें :-</u> 2X3 = 6

क) ' भक्तिन ' पाठ के आधार पर भक्तिन की तीन विशे'ष'ताएँ लिखिए ।

ख) बाज़ार की सार्थकता के संबंध में लेखक किस निष्क पर पहुँचता है ?

ग) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत (संन्यासी) की तरह क्यों माना है ?

12. <u>वितान - 2, के आधार पर किन्हीं (दो) प्रश्नों का उत्तर लगभग 80 शब्दों में दें :--</u> 2X5 = 10

क) यशोधर बाबू किससे प्रभावित थे और क्यों ?

ख) ' जूझ ' कहानी में पढ़ने के लिए लेखक के पिता ने क्या - क्या शर्त रखी ?

ग) कक्षा में पहुँचने पर लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया ?